आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 6 February, 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा - *अब का पुरुषार्थ है अमृतवेले परमानंद प्राप्त करने की*

हम सभी बाबा के अनमोल रतन है। उसने रोज हमारा श्रृंगार किया है। ताकि हम सृष्टि का श्रृंगार कर सके।

उसने हममें शक्तियाँ भरी है। ताकि हम दूसरों के विघ्न नष्ट कर सके। उसने हमें अपरमअपार सुख दिया है ताकि हम दूसरों के दुःख हर सके। यह काम रोज अमृतवेले बाबा करता है।

और भाग्यवान है वह आत्मायें जो रोज सवेरे उठकर प्रभु मिलन का अनुपम सुख प्राप्त करते है। जो देर से उठते है बाबा ने कह दिया वह सतयुग में भी देर से आयेंगे।

सवेरे ब्रह्ममुहुर्त में हम ब्रह्मलोक में सहज विचरण कर सकते है। हम बाबा से बहुत प्यार भरी बातें कर सकते है।

सोचो भगवान से बातें करने का सुख कितना बड़ा है। इस सुख को हम सदा प्राप्त करे। दिल भरकर उनसे बातें कर ले। अपनी सब सुना दे। उनके भी सुने।

कईयों को होता है ... " **उनकी हमें सुनाई नहीं देती** "

जितनी बुद्धि की लाइन क्लियर होगी, जितनी बुद्धि स्वच्छ होगी उनकी भी सुनाई देगी।

तो सवेरे उठ बाबा को सच्चे मन से शुक्रिया करे। क्या क्या दिया तुमने। उठते ही हम यह काम किया करे। तो मन आनन्द से भर जायेगा। और न नींद आयेगी, न व्यर्थ चलेगा।

" तुमने हमें श्रेष्ठ बुद्धि दी .. तुम्हें बारम्बार शुक्रिया .. तुमने हमें जीवन जीना सिखाया .. तुम्हें कोटि कोटि बार धन्यवाद .. तुमने हमें सत्यज्ञान दिया .. हमारी दुःख हर लिए .. हमारे जन्म जन्म की भक्ति का फल दे दिया .. जो कुछ हम तेषठ जन्म में माँगा था .. वह सबकुछ पूर्ण कर दिया .. बारम्बार सच्चे दिल से आपको शुक्रिया "

प्यार में बांध ले सवेरे उठकर बाबा को। और मेहसूस करे वो हमारे कितने समीप है। हम उनके कितने अधिकारी बच्चे है।

सवेरे बाबा वरदान भी देते है। लेकिन यह वरदान उनकी ही बुद्धि में धारण होते है जो लम्बाकाल ईश्वरीय नशे में रहते है।

सवेरे बाबा हमारी भूलों को क्षमा भी कर देते है। परन्तु उनकी जो बाबा से सच्चे रहते है। और जो उन भूलों को रिपीट नहीं करते।

सवेरे बाबा हमें विजयमाला में आने का आशीर्वाद दिया, वरदान भी दे देते है। परन्तु उनको जो सदा श्रेष्ठ पुरुषार्थ की ओने में रहेंगे।

तो हम अपने झोली खोलकर रखे। और बाबा से सर्वस्व प्राप्त करे।

और उसके बाद जम्प लगाकर बैठ जाया करे परमधाम में, बस ....

" ज्ञान सूर्य की किरणों के नीचे .. और मेहसूस करे उनसे समस्त शक्तियाँ मुझमें समा रही है "

यह बहुत सुन्दर एकाग्रता होगी। उसके बाद ...

" तीनों लोकों में जाने का और वापिस आने की अच्छी ड्रिल कर ले "

इससे भी एकाग्रता बढ़ेगी .....

" मैं आत्मा .. इस देह में अवतरित "

फिर सूक्ष्म लोक में .....

" बाबा की हजार भुजाएं मेरे सिर के ऊपर .. और .. बाबा दृष्टि दे रहे है "

बहुत अच्छा अनुभव करे , और ....

" बाबा से दृष्टि लेकर संसार को दृष्टि दे "

और फिर ....

" परमधाम में सर्वशक्तिमान के पास जाकर बैठ जाये "

फिर ...

" वहाँ से अवतरित होकर इस देह में प्रवेश कर लिया "

इस गुड फीलिंग में रहे। यह अभ्यास हम सबको रोज अमृतवेले करनी चाहिए। संसार को सकाश भी देनी चाहिए।

हम अमृतवेले अपने भाग्य की श्रेष्ठ रेखा बाबा से खिंचवाते चले। यह समय दोबारा नहीं आयेगा। सोना तो बाद में भी हो जायेगा।

अपनी दिनचर्या को ऐसा सेट करे कि टाईम पर सो जाये और चार बजे उठ जाया करे। भोजन भी बहुत पहले खाये, आठ बजे तक। कम खाये, ताकि कोई भी भारीपन शरीर में न रहे।

तो रोज अमृतवेले का आनंद लेंगे। और आज सारा दिन तीनों लोकों में रमण करने की ड्रिल करते रहेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org